वर्ष: 2 अंक: 55,
पेज: 4, मुल्य 1 रु.

सुरत

रविवार
26अप्रैल2020

दैनिक क्रांति समय

सुविचार–मेहनत एक ऐसी सुनहरी चाबी हैं, जो बंद भाग्य के दरवाजे भी खोल देती हैं !

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलवामा में दो आतंकी किए ढेर, एक मददगार भी मारा गया

जम्मू–कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलवामा जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में दो आतं. कवादी और उनका एक कट्टर साथी मारा गया। पु. लिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों को दक्षिण कश्मीर में अवंतीपुरा के गोरीपुरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सटीक सूचना मिली थी जिसके बाद उन्होंने शनिवार तड़के इलाके की घेराबंदी की और तलाश अभियान चलाया। उन्हा. ने बताया कि तलाश अभियान के दौरान उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई जब आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू की जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में दो आतंकवादी और आतंकवादियों का एक कट्टर साथी मारा गया। मुठभेड़ अभी जारी है। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी चल रही है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों ने शोपियां के मेलहूरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद मंगलवार रात को वहां घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि यहां छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी

पुत्र ने अपने पिता की हत्या की, पुलिस के समक्ष सरेंडर किया

रांची। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में एक कलयुगी पुत्र ने अपने पिता की हत्या कर दी और बाद में थाने में जाकर पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसी बात को लेकर पिता और पुत्र के बीच विवाद हुआ और दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई, इस घटना में पुत्र ने किसी हथियार से पीट–पीट कर अपने पिता की हत्या कर दी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों पिता–पुत्र के बीच अक्सर मारपीट की घटना होती रहती थी और इसी तरह के विवाद में आज पिता की मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं खुद को थाने में जाकर सरेंडर करने वाले युवक ने बताया कि उसने जानबूझ कर हत्या नहीं की, बल्कि मारपीट में उसके पिता गिर गये और चोट लगने से उनकी मौत हो गयी।

अपनी पत्नी की शिनाख्त करने गए युवक पर हुआ हमला

पलवल । पलवल में अपनी पत्नी की आत्महत्या की सूचना पाकर सिविल अस्पताल पहुंचे युवक पर हमला किया गया है। जिसमें मृतक महिला के पति और उसकी मामी बुरी तरह घायल हो गए हैं। इस मामले मे कैंप थाना पुलिस ने 11 नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच अधिकारी संजीत ने बताया कि हरी नगर निवासी सविता ने शिकायत दर्ज कराई कि उसका भांजा धीरज 21 अप्रैल की दोपहर गेहूं लेने के लिए घर पर आया हुआ था। उसी दौरान दोपहर 12 बजे धीरज को सूचना मिली की उसकी पत्नी ज्योति ने नहर में कूदकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर धीरज अपनी मामी सविता के साथ शव की शिनाख्त करने सिविल अस्पताल पहुंचा।

जम्मू–कश्मीर प्रशासन का बड़ा फैसला, घाटी में 28 लोगों से हटा जन सुरक्षा कानून

पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा को राहत नहीं

श्रीनगर । जम्मू–कश्मीर प्रशासन ने केन्द्र शासित प्रदेश और उससे बाहर जेलों में बंद 28 लोगों पर से जन सुरक्षा कानून (पीएसए) हटा दिया है। शनिवार को प्रशासन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि जिन लोगों के ऊपर से पीएसए हटाया गया है,उसमें कश्मीर व्यापार और विनिर्माण संघ (केटीएमएफ) और कश्मीर इकॉनोमिक अलायंस (केईए) के मुखिया मोहम्मद यासीन खान का नाम भी शामिल है।मोदी सरकार ने पिछले साल 5 अगस्त को जम्मू–कश्मीर से विशेष दर्जा वापस लेकर दो केन्द्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था,

इसके बाद मुख्यधारा के नेताओं सहित राज्य में सैकड़ों लोगों को पीएसए कानून के तहत हिरासत में लिया गया था।इसमें जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों फारूक और उमर अब्दुल्ला सहित कई लोगों को हाल ही में रिहा किया गया है। हालांकि मुख्यधारा के कई अन्य नेता अभी भी हिरासत में हैं, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, नैशनल कॉन्फ्रेंस के महासचिव अली मोहम्मद सागर और पूर्व मंत्री नईम अख्तर शामिल हैं।

नैशनल कॉन्फ्रेंस के कार्यकारी अध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले के साथ ही हिरासत में ले लिया गया था। करीब आठ महीने तक कैद में रहने के बाद उमर अब्दुल्ला को 24 मार्च को रिहा कर दिया गया। रिहा होने के बाद उमर ने महबूबा और अन्य नेताओं को भी रिहा किए जाने की मांग की थी। जन सुरक्षा अधि.नियम (पीएसए) उन लोगों पर लगाया जा सकता है, जिन्हें सुरक्षा और शांति के लिए खतरा माना जाता हो। 1978 में शेख अब्दुल्ला ने इस कानून को लागू किया था। 2010 में इसमें संशोधन किया गया था, जिसके तहत बगैर ट्रायल के ही कम से कम 6 महीने तक जेल में रखा जा सकता है। राज्य सरकार चाहे तब इस अवधि को बढ़ाकर दो साल तक भी किया जा सकता है।

लॉकडाउन में बना रेकॉर्ड, पोस्ट ऑफिस ने लोगों तक पहुंचाए 412 करोड़ रुपए

नई दिल्ली कोरोना वायरस महामारी को रोकने के लिए किए गए देशव्यापी लॉक. डाउन के बीच इंडिया पोस्ट ने एक नया रेकॉर्ड कायम किया है। 24 मार्च से लेकर 23 अप्रैल के बीच देशभर के पोस्ट ऑफिस ने अपने 1.36 लाख डाकघरों के नेटवर्क के माध्यम से खासकर ग्रामीण इलाकों में लोगों को 412 करोड़ रुपए की नकदी दी है।

बड़े काम का एईपीएसडिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स के सेक्रटरी प्रदीप्ता कुमार बिसोई ने

बताया यह इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के एईपीएस फै. सिलिटी के कारण संभव हुआ,

जिसके तहत किसी का किसी भी बैंक में खाता है तो वह डाकिये के जरिए पैसे अपने घर तक मंगा सकता है। इसके लिए पोस्ट ऑफिस में बचत खाते की जरूरत नहीं होती।

बिसोई ने बताया लोगों तक डोरस्टेप बैंकिंग फैसिलिटी मुहैया कराने के काम में लगभग एक लाख पोस्टमैन कार्यरत हैं।

लोग आईपीपीबी ऐप या पोस्टमैन के जरिए इलेक्ट्रिसिटी बिल, वाटर बिल, डीटीएच रिचार्ज तथा किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में मनी ट्रांसफर कर सकते हैं।

हाल के दिनों में नई दिल्ली स्थित डाक विभाग के मुख्यालय में कई लोगों की उत्साहजनक कहानियां सामने आई हैं। इनमें से एक का नाम जितेंद्र सिंह हैं,

जो उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के पूरे नेपाल गांव के निवासी हैं। इन्होंने एक अनूठी पहल की।

वह अपने खेतों में काम करने वाले लोगों की 3,000 रुपए की मदद करना चाहते थे। नजदीकी बैंक शाखा तथा एटीएम गांव से दो किलोमीटर दूर था और बैंक भी बंद था।

वह अपने गांव के पोस्टमास्टर मिथिलेश कुमारी से मिले, जिन्होंने आधार–इनेबल्ड पेमेंट सर्विस के जरिए उन्होंने वह रकम दे दी।

इस सुविधा से पेंशनर्स, दिव्यांगों, महिलाओं तथा गरीबों को पैसे निकालने के लिए अपने गांव से दूर बैंक की शाखा तक जाने की जरूरत नहीं है।

पोस्टऑफिस का आदमी आपके पास आएगा और एईपीएस सुविधा के जरिए आपको रकम आसानी से मिल जाएगी।

धारावी में और बढ़ा कोरोना संक्रमण

मुंबई के सबसे बड़े स्लम धारावी में पिछले 24 घंटों में 21 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं जिसके साथ ही यहां संक्रमितों का आंकड़ा 241 हो गया है। धारावी में इस वायरस के संक्रमण से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। यहाँ कोरोना का फैलाव चिंता में डालने वाला है। यदि यही स्थिति रही तो मुम्बई शहर की इस बस्ती में संक्रमण की संख्या हजारों में पहुंच सकती है। यहाँ की जनसंख्या के घनत्व को देखते हुए सरकार इस इलाके में संक्रमण से ज्यादा चिंतित है।

इस बीच महाराष्ट्र में लॉकडाउन की अवधि के दौरान शनिवार तक कुल 96 पुलिसकर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें 15 पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में अब तक 15 पुलिस अधिकारियों समेत कुल 96 पुलिसकर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं।"

सरकार बताए किस लैब में होते हैं कितने टेस्ट, सच्चाई को छिपाने से समस्या घातक होगीः प्रियंका गांधी

नई दिल्ली । कांग्रेस महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी ने प्रदेश सरकार से टेस्टिंग में पारदर्शिता बरतने के लिए कहा है। उन्होंने शनिवार को ट्वीट कर कहा है कि उप्र में टेस्टिंग को लेकर काफी लोग चिंता व्यक्त कर रहे हैं। कोरोना से लड़ाई में पारदर्शिता बड़े काम की चीज है। सर्व समाज और सरकार मिलकर ही इस महामारी को शिकस्त दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया इस बात को मान चुकी है कि ढंग से और ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग ही कोरोना की रोकथाम की कुंजी है। प्रदेश सरकार ने दो दिनों से जांचों की संख्या बताना बंद कर दिया है। टे. स्टिंग को लेकर पूरी तरह से पारदर्शिता होनी चाहिए। ताकि जनता को जानकारी मिले और इस महामारी के खिलाफ समाज और प्रशासन एकजुट होकर लड़ पाए। आंकड़ों और सच्चाई को छिपाने से समस्या घातक हो जाएगी।

प्रियंका ने कहा कि प्रदेश के किस लैब में रोज कितने टेस्ट हो रहे हैं। केजीएमयू समेत प्रदेश के अन्य टेस्टिंग लैब की प्रतिदिन क्षमता क्या है? यह आंकड़ा जनता के समक्ष रखना बहुत ही महत्वपूर्ण है। पूल टेस्टिंग के नाम से कई दर्जन लोगों के स्वाब इकठ्ठे एक ही किट द्वारा हो रहे हैं। हेल्थ एक्सपर्टस ने इस प्रकिया के लिए सख्त नियम तय किये हैं। जिनका सही पालन न होने से नुकसान हो सकता है। सरकार को पूल टेस्टिंग के इस्तेमाल में पूरे सावधानी बरतनी चाहिए और इस बारे में जनता

को जानकारी देनी चाहिए। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि क्वारंटाइन केंद्रों में विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइड लाइन फॉलो करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इन केंद्रो पर भोजन और नाश्ता की उपलब्धता, स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा प्रतिदिन जांच और केन्द्र की साफ–सफाई की रिपोर्ट जारी होनी चाहिए। क्वा. रंटाइन केंद्रों की अवधि पूरी होने पर घर भेजने के बाद भी दोबारा जांच करने की योजना जनता को स्पश्ट की जाए।

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए किये गए लम्बे देशव्यापी लॉक डाउन के दौरान केंद्र सरकार के कोरोना फ्री क्षेत्र में शर्तों के साथ दुकाने खोलने की घोषणा के बाद शनिवार को दिल्ली के लक्ष्मी नगर मार्किट में कुछ दुकानें खुली जिन्हे पुलिस ने दिल्ली सरकार से अनुमति मिलने का हवाला बंद कराया साथ ही यह भी लोगों को सूचना दी कि अग्रिम आदेश तक जरुरी सामग्री की दुकाने ही ही खुली रहेंगी।

लॉकडाउन में सुधरी दिल्ली की हवा, चीन के वुहान में फिर 2019 के हालात

नई दिल्ली । दुनिया के सर्वाधिक प्रदूशित षहरों में से एक भारत की राजधानी दिल्ली में पर्यावरण के लिहाज से जबरदस्त परिवर्तन देखा जा रहा है। पिछले कई सालों में दिल्ली की हवा इतनी साफ कभी नहीं रही। हालांकि यह सकारात्मक परिवर्तन एक नकारात्मक कारण कोरोना वायरस के वैष्विक प्रकोप की वजह से आया है। कोविड–19 के कारण कई देषों में लॉकडाउन के कारण वाहनों का षोर थम गया है, कल–कारखानों से निकलने वाला धुआं गायब है।

इसके कारण हवा की गुणवत्ता में सुध ाार आया है, लेकिन हमारे सामने चीन का उदाहरण है, जो बताता है कि यह सुधार केवल अस्थाई होगा। लॉकडाउन खुलेगा तो यह सकारात्मकता फिर धुएं का आवरण ओढ़ लेगी और प्रदूशण फिर चरम पर होगा। लॉक. डाउन का असर : भारत और स्पेन ने कोरोना संकट से निपटने के लिए सख्त लॉकडाउन लागू किया है। इसके चलते अप्रैल 2019 की तुलना में इस अप्रैल में नाइट्रोजन ऑक्साइड के उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है। स्टेटिस्टा के अनुसार, ब्रिटेन, अमेरिका और मेक्सिको में भी हवा की गुणवत्ता सुधरी है। नाइट्रोजन ऑक्साइड ज्यादातर वाहनों और कारखानों द्वारा उत्सर्जित गैस है।

दिल्ली में प्रदूशण का स्तर हुआ कम

सर्वाधिक प्रभावित करने वाला परिवर्तन दिल्ली में देखा गया है। दिल्ली दुनिया के सर्वाधिक प्रदूशित षहरों में से एक है। यहां प्रदूशण का बड़ा हिस्सा वाहनों से आता है। यही कारण है कि दिल्ली में नाइट्रोजन ऑक्साइड के स्तर में जबरदस्त कमी देखी गई है। वायु प्रदूशण जिसे आमतौर पर पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास के कण) से मापा जाता है, कई कारकों के संयोजन से बनता है। इसमें यातायात, कारखानों के साथ ही तूफान और आग जैसी प्राकृतिक घटनाएं और ठोस पदार्थों के साथ खाना बनाना षामिल है।

वुहान फिर पुरानी राह पर लौटा

वुहान जहां पर कोरोना वायरस की उत्पत्ति हुई और इसका प्रकोप बड़े पैमाने पर पूरी दुनिया में फैल गया। अप्रैल में यहां जीवन फिर से पटरी पर लौटने लगा है और अब नाइट्रोजन ऑक्साइड का स्तर एक बार फिर 2019 के स्तर की ओर बढ़ रहा है।

पूरे देश में सशर्त मिली दुकान खोलने की अनुमति, शॉपिंग माल्स पर जारी रहेगी रोक

–लॉकडाउन के बीच सरकार ने नागरिकों को दी बड़ी राहत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए देश में 3 मई तक लॉकडाउन लागू है। मगर इस बीच, सरकार ने एक बड़ी राहत देते हुए शनिवार से सभी तरह की दुकानों को खोलने की अनुमति दी है। इसमें जरूरी और गैर–जरूरी सामान की दुकानें शामिल हैं। इन दुकानों में काम करने वालों को लॉकडाउन के लिए जारी दिशा–निर्देशों का पालन करना होगा।

हालांकि गृह मंत्रालय ने शॉपिंग मॉल्स और मा. र्केट कॉम्प्लेक्स को खोलने की इजाजत नहीं दी है। गृह मंत्रालय ने 15 अप्रैल को जारी अपने आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि लॉकड. ाउन में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दुकानें और स्थापना अधिनियम के तहत पंजीकृत व नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों में मौजूद आवासीय परिसरों और निकट पड़ोस (गली–मोहल्ले) की दुकानों के साथ ही स्टैंड अलोन दुकानें खोलने की अनुमति होगी।

मंत्रालय ने यह भी साफ किया है कि हॉटस्पॉट और कंटेनमेंट जोन में

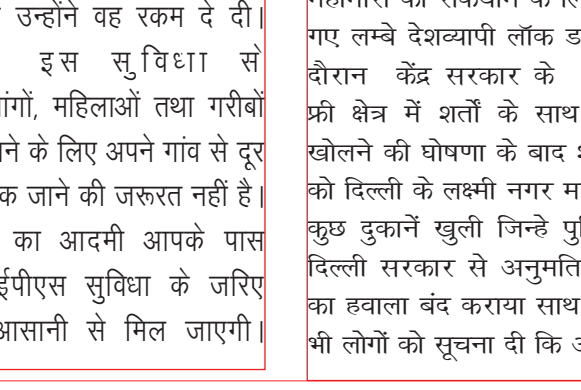

किसी तरह की छूट नहीं दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पहले ही कह चुके हैं कि राहत आपके हाथ में है। यानी जिन इलाकों में कोरोना संक्रमण का खतरा नहीं होगा या जहां कोरोना वायरस के केस नहीं होंगे, उन इलाकों को राहत मिलेगी। बहरहाल, आदेश में यह भी साफ किया गया है कि दुकानों में 50 फीसदी कर्मचारी ही काम करेंगे।

उन्हें सोशल डिस्टेंसिंग के साथ मास्क पहनना होगा और लॉकडाउन की शर्तों का पालन करना होगा।

24 मार्च से बंद गली–मोहल्ले की दुकानें सरकार के इस फैसले से खुल जाएंगी। इससे लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। मल्टी और सिंगल ब्रांड के मॉल्स में मौजूद दुकानों को ये छूट नहीं मिलेगी। मतलब मॉल्स में दुकानें नहीं खुलेंगी। नगर निगम क्षेत्र में आस–पड़ोस की दुकानें खोलने की अनुमति होगी। लेकिन निगम क्षेत्र में मार्केट परिसर में मौजूद दुकानें 3 मई तक बंद रहेंगी।

बता दें कि कोरोना हॉटस्पॉट और कंटेनमेंट जोन में आने वाली दुकानों को अभी खोलने की छूट नहीं मिली है। लॉकडाउन के दौरान सिर्फ जरूरी सामान वाली दुकानों को ही खोलने की इजाजत थी। इसमें राशन, सब्जी और फल की दुकानें शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लॉक डाउन व सोशल डिस्टेंसिंग क्या केवल आम आदमी के लिए ?

भारत सहित दुनिया के और भी कई देश कोरोना महामारी के विस्तार को नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रव्यापी लॉक डाउन के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुके हैं। कोरोना महामारी से प्रभावित लगभग पूरा विश्व सामान्यतयः इससे बचाव के उन्हीं तरीक़ों को अपना रहा है जिससे किसी तरह से इन्सान को कोरोना पॉज़िटिव होने से बचाया जा सके । लॉक डाउन जैसा अत्यंत कठोर निर्णय तथा एक दूसरे से कम से कम एक मीटर की दूरी बना कर रखने जैसे अव्यवहारिक से प्रतीत होने वाले क़दम इसी मक़सद के तहत उठाए जा रहे हैं। लॉक डाउन पूरे विश्व के लिए ऐसा कड़वा घूँट साबित हो रहा जिसके समग्र दुष्प्रभाव का अंदाज़ा भी आसानी से नहीं लगाया जा सकता। आधी से अधिक दुनिया में औद्योगिक चिमनियों से धुंए निकलने बंद हो चुके हैं। क्या सरकारी तो क्या ग़ैर सरकारी सभी कार्यालयों व संस्थानों पर ताले लटक रहे हैं। इस समय केवल दो ही विभाग पूरे विश्व में सक्रियता से इस महामारी व मनुष्य के बीच दीवार बनकर खड़े हैं,एक तो स्वास्थ्य कर्मी दूसरे लॉक डाउन का पालन कराने का ज़िम्मा उठाने वाले हमारे जांबाज़ सुरक्षा कर्मी। हमारे देश में पुलिस विभाग के लोगों तथा स्वास्थ्य कर्मियों को आम लोगों को लॉक डाउन संबंधी नियमों का पालन कराने तथा लोगों के स्वास्थ की जांच करने में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है यह पूरा देश देख रहा है। कहीं स्वास्थ विभाग के फ़रिश्ता रुपी लोगों पर इंदौर व मुरादाबाद जैसे जानलेवा हमले हो रहे हैं तो कहीं पुलिस कर्मियों को लोगों के ग़ुस्से का शिकार होना पड़ रहा है। इंतेहा तो यह है अपने कर्तव्यों का पालन करने वाले पंजाब पुलिस के एक इन्स्पेक्टर पर एक निहंग ने तलवार से ऐसा जानलेवा हमला किया कि उसका हाथ ही शरीर से कट कर अलग हो गया। कई डॉक्टर,नर्सें तथा पुलिस अधिकारी कोरोना संक्रमित होने की वजह से अपनी जानें भी गँवा चुके हैं। इन सभी चुनौतियों के बावजूद स्वास्थ विभाग के लोग अपनी ज़िम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए कोरोना जैसी महामारी से आम लोगों को बचाने की कोशिश में हैं तथा इस से संबंधित शोध कार्य में भी दिन रात लगे हुए हैं।

इसी तरह पुलिस व सुरक्षा कर्मी भी अपनी जान पर खेल कर दिन रात एक कर आम लोगों से लाक डाउन का पालन तथा सोशल डिस्टेंसिंग पर अमल कराने की जी तोड़ कोशिश में लगे हुए हैं। यही वजह है इन्हें कोरोना वारियर्स अथवा कोरोना योद्धा का नाम दिया जा चुका है।

इन विषम परिस्थितियों में निश्चित रूप से देश का आम आदमी लाक डाउन व सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का सबसे अधिक पालन करता दिखाई दे रहा है। और जहाँ लाक डाउन व व सोशल डिस्टेंसिंग के वर्तमान नियमों का उल्लंघन करते हुए कोई व्यक्ति कहीं भी नज़र आता है तो हमारे तत्पर सुरक्षा कर्मी उनके साथ सख़्ती से पेश आ रहे हैं। उन्हें तरह तरह की सज़ाएं भी दी जा रही हैं। कहीं कहीं तो नियमों का उल्लंघनकरने वालों को सार्वजनिक रूप से कान पकड़ कर उठक बैठक कराइ जा रही है। कहीं कहीं उनपर बल प्रयोग भी किये जा रहे हैं। यहाँ तक कि लगभग पूरे देश में लाक डाउन के चलते घर से बेघर हो चुके लाखों लोग जिन्हें रोटी और छत भी मयस्सर नहीं उन्हें भी लाक डाउन व व सोशल डिस्टेंसिंग नियमों का पालन करने को बाध्य किया जा रहा है। 6 से लेकर 8 घंटों तक लाइन में लगकर जिन्हें मुश्किल से एक समय का भोजन मिल रहा है उन्हें भी कम से कम एक मीटर की दूरी पर खड़े होकर लाइन में लगने को कहा जा रहा है। निश्चित रूप से इन सब प्रयासों के पीछे सरकार व प्रशासन की नेक मंशा यही है कि कोरोना महामारी से आम लोग और अधिक संख्या में पीड़ित न हों तथा इसके विस्तार को यथासंभव रोका जा सके।और कहा जा सकता है कि सरकार व प्रशासन की इन्हीं कोशिशों व आम जनता के बलिदानपूर्ण सहयोग का ही नतीजा है कि आज भारत में इस महामारी का विस्तार विश्व के अन्य कई देशों की तुलना में कम गति से रहा है।

परन्तु इस तस्वीर का दूसरा पहलू अत्यंत पक्षपातपूर्ण व चिंताजनक है। देश में लाक डाउन व व सोशल डिस्टेंसिंग नियम लागू होने के बाद ऐसे अनेक समाचार प्राप्त हो रहे हैं जो यह सोचने के लिए बाध्य करते हैं कि देश में कोरोना महामारी के विस्तार को रोकने का ज़िम्मा क्या अकेले ग़रीब व आम लोगों का ही है ? क्या शासन से जुड़े लोग,धर्मस्थानों के प्रभावशाली लोग,नेतागण व सत्ता संरक्षित लोगों को इन नियमों का पालन करने की कोई ज़रुरत नहीं है ? गत 17 अप्रैल को कर्नाटक के रामनगर ज़िले के बिडाडी में केथागनहल्ली फार्महाउस में पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेकुलर) के प्रमुख एचडी देवगौड़ा के पोते निखिल कुमारस्वामी की शादी पूरे धूम धाम के साथ सम्पन्न हुई। निखिल की शादी कर्नाटक के पूर्व आवास मंत्री एम कृष्णप्पा की रिश्तेदार रेवती के साथ हुई है। भाजपा ने आरोप लगाया कि इस विवाह समारोह में केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों का सरासर उल्लंघन किया गया है। रामनगर जिले के भाजपा प्रमुख ने आरोप लगाया, कि विवाह समारोह के लिए 150 से 200 गाड़ियों को अनुमति दी गई। इस विषय पर अपनी आलोचना से तंग आकर कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि –'अगर कोई भी गड़बड़ी हुई हो तो उस पर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि ज़िलाधिकारी ने शादी समारोह की अनुमति दी थी। साथ ही समारोह में जितने भी वाहन शामिल हुए, सभी का पास था। वहीं मास्क नहीं पहनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऐसी कोई एडवाइज़री नहीं जारी की है, जिसमें सभी के लिए मास्क पहनना अनिवार्य हो।

सोचने का विषय है कि एक ओर जहाँ देश भर में लाखों आम लोगों ने अपने परिवार शादियां स्थगित कर दीं। जहाँ देश भर में अनेक बारातें लॉक डाउन में फंसकर वापस नहीं जा पा रही हैं,जहाँ कई राज्यों मास्क न पहनना अपराध की श्रेणी में शामिल कर दिया गया हो। वहीँ शक्तिशाली लोगों द्वारा इस महामारी के दौरान भी विवाह समारोहों का आयोजन करना तथा लाक डाउन व व सोशल डिस्टेंसिंग के नियम अपनी सुविधानुरूप गढ़ना क्या इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए पर्याप्त नहीं है कि लाक डाउन व व सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करने का ज़िम्मा केवल आम लोगों,ग़रीबों व कामगारों का ही है ? इसी तरह कर्नाटक बीजेपी के विधायक महंतेश कवतागिमठ ने गत सप्ताह बेलगाम में अपनी बेटी की शादी कराई। इसमें लगभग 3 हज़ार लोग उपस्थित थे। इस विवाह समारोह में कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी.एस. येदुयुरप्पा भी शरीक हुए। यह कैसा मज़ाक़ है कि मुख्यमंत्री येदुयुरप्पा ने स्वयं लोगों से अपील की थी कि कोरोना के इस संकट में कोई शादी समारोह का आयोजन न करें। और वे स्वयं अपनी पार्टी के विधायक की बेटी के विवाह समारोह में शरीक हुए ? लाक डाउन के दौरान ही भाजपा के ही एक विधायक ने कर्नाटक में तो दूसरे ने महाराष्ट्र में धूम धाम से अपना जन्मदिन मनाकर लॉक डाउन के नियमों को ठेंगा दिखाया। इसी तरह कर्नाटक राज्य के ही कलबुर्गी ज़िले में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले सिद्धालिंगेश्वर मेले में हज़ारों लोग इकठ्ठा हुए और एक दूसरे के कंधे से कंधा मिलाकर रथ को कई घंटों तक खींचते रहे । यहां भी लॉकडाउन व सोशल डिस्टेंसिंग की सरेआम धज्जियाँ उड़ाई गईं। परन्तु सरकार ने इस आयोजन को सम्पन्न होने दिया तथा कार्यक्रम के बाद कुछ लोगों के विरुद्ध क़ानूनी कार्रवाई कर अपना 'फ़र्ज़' पूरा किया।

इस अभूतपूर्व मानवीय संकट के समय यदि अमीर ग़रीब ,शक्तिशाली व कमज़ोर ,आम और ख़ास तथा धर्म व जाति के आधार पर फ़ैसले लिए जाएंगे या इस आधार पर क़ानून का पालन कराने की कोशिश की जाएगी तो इससे महामारी पर नियंत्रण पाना आसान नहीं होगा।

परशुराम ने सहस्रबाहु का वध कर ऋषियों को भयमुक्त किया

(26 अप्रैल परशुराम जयंती पर विशेष)

भगवान विष्णु के छठे आवेश अवतार परशुराम की जयंती वैशाख शुक्ल तृतीया को आती है। इस बार यह जयंती 26 अप्रैल 2020 को मनाई जाएगी। विष्णु के छठे 'आवेश अवतार' भगवान परशुराम का जन्म सतयुग और त्रेता के संधिकाल में 5142 वि.पू. वैशाख शुक्ल तृतीया के दिन–रात्रि के प्रथम प्रहर प्रदोष काल में हुआ था। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र में रात्रि के प्रथम प्रहर में 6 उच्च के ग्रहों से युक्त मिथुन राशि पर राहु के स्थित रहते माता रेणुका के गर्भ से भृगु ऋ षि के कुल में परशुराम का प्रादुर्भाव हुआ था। ऋचीक–सत्यवती के पुत्र जमदग्नि, जमदग्नि–रेणुका के पुत्र परशुराम थे। ऋचीक की पत्नी सत्यवती राजा गाधि (प्रसेनजित) की पुत्री और विश्वमित्र (ऋषि विश्वामित्र) की बहिन थी। परशुराम सहित जमदग्नि के 5 पुत्र थे।

जन्म स्थान

भृगुक्षेत्र के शोधकर्ता साहित्यकार शिवकुमार सिंह कौशिकेय के अनुसार परशुराम का जन्म वर्तमान बलिया के खैराडीह में हुआ था। उन्होंने अपने शोध और खोज में अभिलेखिय और पुरातात्विक साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। श्रीकौशिकेय अनुसार उत्तर प्रदेश के शासकीय बलिया गजेटियर में इसका चित्र सहित संपूर्ण विवरण मिल जाएगा। एक अन्य किंवदंती के अनुसार मध्यप्रदेश के इंदौर के पास स्थित महू से कुछ ही दूरी पर स्थित है जानापाव की पहाड़ी पर भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। एक तीसरी मान्यता अनुसार छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में घने जंगलों के बीच स्थित कलचा गांव में उनका जन्म हुआ था। एक अन्य चौथी मान्यता अनुसार उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर के जलालाबाद में जमदग्नि आश्रम से करीब दो किलोमीटर पूर्व दिशा में हजारों साल पुराने मन्दिर के अवशेष मिलते हैं जिसे भगवान परशुराम की जन्मस्थली कहा जाता है।

परशुराम के गुरु

परशुराम को शास्त्रों की शिक्षा दादा ऋचीक, पिता जमदग्नि तथा शस्त्र चलाने की शिक्षा अपने पिता के मामा राजर्षि विश्वमित्र और भगवान शंकर से प्राप्त हुई। च्यवन ने राजा शर्याति की पुत्री सुकन्या से विवाह किया। परशुराम योग, वेद और नीति में पारंगत थे। ब्रह्मास्त्र समेत विभिन्न दिव्यास्त्रों के संचालन में भी वे पारंगत थे। उन्होंने महर्षि विश्वामित्र एवं ऋचीक के आश्रम में शिक्षा प्राप्त की।

परशुराम के शिष्य

त्रैतायुग से द्वापर युग तक परशुराम के लाखों शिष्य थे। महाभारतकाल के वीर योद्धाओं भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण को अस्त्र–शस्त्रों की शिक्षा देने वाले गुरु, शस्त्र एवं शास्त्र के धनीषि परशुराम का जीवन संघर्ष और विवादों से भरा रहा है।

माता का सिर काट दिया

परशुराम के 4 बड़े भाई थे। एक दिन जब सभी पुत्र फल लेने के लिए वन चले गए, तब परशुराम की माता रेणुका स्नान करने गईं। जिस समय वे स्नान करके आश्रम को लौट रही थीं, उन्होंने गन्धर्वराज चित्रकेतु (चित्ररथ) को जलविहार करते देखा। यह देखकर उनके मन में विकार उत्पन्न हो गया और वे खुद को रोक नहीं पाईं। महर्षि जमदग्नि ने यह बात जान ली। इतने में ही वहां परशुराम के बड़े भाई रुक्मवान, सुषेणु, वसु और विश्वावसु भी आ गए। महर्षि जमदग्नि ने उन सभी से बारी–बारी अपनी मां का वध करने को कहा, लेकिन मोहवश किसी ने ऐसा नहीं किया। तब मुनि ने उन्हें श्राप दे दिया और उनकी विचार शक्ति नष्ट हो गई। फिर वहां परशुराम आए और तब जमनग्नि ने उनसे यह कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने पिता के आदेश पाकर तुरंत अपनी मां का वध कर दिया। यह देखकर महर्षि जमदग्नि बहुत प्रसन्न हुए और परशुराम को वर मांगने के लिए कहा। तब परशुराम ने अपने पिता से माता रेणुका को पुनर्जीवित करने और चारों भाइयों को ठीक करने का वरदान मांगा। साथ ही उन्होंने कहा कि इस घटना की किसी को स्मृति न रहे और अजेय होने का वरदान भी मांगा। महर्षि जमदग्नि ने उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी कर दीं। माता रेणुका कोंकण नरेश की पुत्री थीं।

हैहयवंशी राजाओं से युद्ध

समाज में आम धारणा यह है कि परशुराम ने 21 बार धरती को क्षत्रियविहीन कर दिया था। यह धारणा गलत है। भृगुक्षेत्र के शोधकर्ता साहित्यकार शिवकुमार सिंह कौशिकेय के अनुसार जिन राजाओं से इनका युद्ध हुआ उनमें से हैहयवंशी राजा सहस्रार्जुन इनके सगे मौसा थे। जिनके साथ इनके पिता जमदग्नि ?षि कई बातों को लेकर विवाद था जिसमें दो बड़े कारण थे। पहला कामधेनु और दूसरा रेणुका।

हैहयवंशियों के राज्य की राजधानी महिष्मती नगरी थी जिसे आज महेश्वर कहते हैं जबकि परशुराम और उनके वंशज गुजरात के भड़ौच आदि क्षेत्र में रहते थे। परशुराम ने अपने पिता के वध के बाद भार्गवों को संगठित किया और सरस्वती नदी के तट पर भूतेश्वर शिव तथा महर्षि अगस्त्य मुनि की तपस्या कर अजेय 41 आयुध दिव्य रथ प्राप्त किए और शिव द्वारा प्राप्त परशु को अभिमंत्रित किया। इस जबरदस्त तैयारी के बाद परशुराम ने भड़ौच से भार्गव सैन्य लेकर हैहयों की नर्मदा तट की बसी महिष्मती नगरी को घेर लिया तथा उसे जीतकर व जलाकर ध्वस्त कर उन्होंने नगर के सभी हैहयवंशियों का भी वध कर दिया। अपने इस प्रथम आक्रमण में उन्होंने राजा सहस्रबाहु का महिष्मती में ही वध कर ऋषियों को भयमुक्त किया।

परशुराम राम के समय में हैहयवंशीय क्षत्रिय राजाओं का अत्याचार था। भार्गव और हैहयवंशियों की पुरानी दुश्मनी चली आ रही थी। हैहयवंशियों का राजा सहस्रबाहु अर्जुन भार्गव आश्रमों के ऋषियों को सताया करता था। एक समय सहस्रबाहु के पुत्रों ने जमदग्नि के आश्रम की कामधेनु गाय को लेने तथा परशुराम से बदला लेने की भावना से परशुराम के पिता का वध कर दिया। परशुराम की मां रेणुका पति की हत्या से विचलित होकर उनकी चिताग्नि में प्रविष्ट हो सती हो गई। इस घोर घटना ने परशुराम को क्रोधित कर दिया और उन्होंने संकल्प लिया– मैं हैहय वंश के सभी क्षत्रियों का नाश कर दूंगा। इसी कसम के तहत उन्होंने इस वंश के लोगों से 36 बार युद्ध कर उनका समूल नाश कर दिया था। तभी से यह भ्रम फैल गया कि परशुराम ने धरती पर से 36 बार क्षत्रियों का नाश कर दिया था।

इसके बाद उन्होंने देशभर में घूमकर अपने 21 अभियानों में हैहयवंशी 64 राजवंशों का नाश किया। इनमें 14 राजवंश तो पूर्ण अवैदिक नास्तिक थे। इस तरह उन्होंने क्षत्रियों के हैहयवंशी राजाओं का समूल नाश कर दिया जिसे समाज ने क्षत्रियों का नाश माना जबकि ऐसा नहीं है। अपने इस 21 अभियानों के बाद भी बहुत से हैहयवंशी छुपकर बच गए होंगे।

चारों युग में परशुराम

सतयुग में जब एक बार गणेशजी ने परशुराम को शिव दर्शन से रोक लिया तो, रुष्ट परशुराम ने उन पर परशु प्रहार कर दिया, जिससे गणेश का एक दांत नष्ट हो गया और वे एकदंत कहलाए। त्रेतायुग में जनक, दशरथ आदि राजाओं का उन्होंने समुचित सम्मान किया। सीता स्वयंवर में श्रीराम का अभिनंदन किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जब तक राज्यों के बीच आवागमन प्रतिबंधित, तब तक हम किसी को भी लाने में असमर्थ – नीतीश

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साफ कर दिया है कि जब तक एक राज्य से दूसरे राज्य में लोगों के आने जाने पर प्रतिबंध है तब तक वह किसी को वापस लाने में असमर्थ है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय को अपनी पहले की अधिसूचना में संशोधन करने का आग्रह किया है जिससे इस मुद्दे पर विवाद का समाधान हो सके।

इस मुद्दे पर पटना हाईकोर्ट में भी याचिका पर सुनवाई चल रही है जहां केंद्र और राज्य सरकार को सोमवार को जवाब देना है। इस सम्बंध में फिलहाल केंद्रीय गृह मंत्रालय और बिहार सरकार में विचार विमर्श चल रहा है, जिसके दौरान बिहार सरकार के आला अधिकारियों ने उक्त बात रखी। दरअसल बिहार इस बात का बिल्कुल भी पक्षधर नहीं कि अन्य राज्यों की तरह वह भी बस भेजकर, चाहे कोटा हो या अन्य शहर, फ़िलहाल छात्रों, मज़दूरों को वहां से निकाले, क्योंकि केंद्र ने इस पर प्रतिबंध लगा रखा है।

इस मुद्दे पर विपक्ष हर दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेर रहा है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने एक बयान में कहा है कि हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, यूपी, गुजरात, दादरा एवं नगर हवेली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सुदूर असम सहित सभी राज्यों ने अपने छात्रों को कोटा से वापस बुला लिया है लेकिन नीतीश कुमार जी को पता नहीं बिहार के भविष्य मासूम छात्र–छात्राओं से क्या नफ़रत है? क्या सिर्फ़ नीतीश जी को छोड़ बाक़ी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को अपने प्रदेश वासियों की फ़िक्र नहीं है, या वो कम विवेकशील हैं? क्या उन प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को कोरोना की चिंता नहीं है? जब 25 हज़ार छात्र कोटा से वापस अपने घरों को जा सकते हैं तो बिहार के क्यों नहीं?

तेजस्वी ने कहा है कि माननीय मुख्यमंत्री जी से पुनः आग्रह है कि अभी भी वक्त है छात्रों को वापस बुला लीजिए। अगर सरकार उन्हें वापस बुलाने में बिल्कुल असमर्थ और असहाय है तो कृपया मुझे अनुमति दीजिए हम लेकर आएंगे।

कुछ और मर्ज लेकर इलाज के लिए आए थे अस्पताल, जांच में निकला कोरोना

नोएडा । गौतमबुद्ध नगर जिले के अस्पतालों में छह ऐसे लोग भर्ती हैं, जो किसी और बीमारी का इलाज कराने आए थे, लेकिन कोरोना संक्रमण से पीड़ित हो गए। इनमें एक कैंसर से पीड़ित किशोरी भी है। हालांकि, इनमें कोरोना संक्रमण के स्रोत की पूरी जानकारी स्वास्थ्य विभाग के पास नहीं है। नोएडा सेक्टर–128 स्थित निजी अस्पताल में मुजफ्फरनगर निवासी महिला पेट संबंधी बीमारी का ऑपरेशन कराने आई थी। भर्ती होने के बाद उसमें कोरोना के लक्षण मिले। ऑपरेशन के बाद जांच रिपोर्ट आई, जिसमें वह कोरोना पॉ. जिटिव पाई गई। कासगंज निवासी किशोरी ब्लड कैंसर का इलाज कराने 5 दिन पहले शिशु अस्पताल में आई थी। उसमें भी लक्षण मिलने के बाद कोरोना की जांच कराई गई जो पॉजिटिव आई है।

मुजफ्फरपुर में सड़ा अनाज बांटे जाने पर हुआ हंगामा

मुजफ्फरपुर में जन वितरण प्रणाली के दुक. ानदारों द्वारा सड़ा हुआ चावल और घटिया गेहूं वितरण करने पर जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान मुजफ्फरपुर शहर से सटे मुसहरी प्रखंड कार्यालय का घेराव कर लाभुकों ने दोषी डीलरों और मार्केटिंग ऑफिसर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मुसहरी पंचायत के 2 डीलरों द्वारा सड़ा हुआ चावल और गेहूं का वितरण लाभुकों के बीच किया गया था, लेकिन लाभुकों ने सड़ा हुआ

अनाज लेने से इंकार करते हुए बीडीओ के कार्यालय पर पहुंचकर विरोध दर्ज कराया। लाभुकों ने कार्यालय का घंटों के घेराव किया और फिर से अच्छी क्वालिटी का चावल गेहूं वितरण करने की अधिकारियों से की। इस दौरान 100 से अधिक की संख्या में पहुंचे नाराज लाभुकों ने डीलरों द्वारा वितरण किए गए सड़े हुए चावल और गेहूं को लेकर प्रखंड मुख्यालय तक पहुंचे थे।

पहले मुसहरी के प्रखंड आपूर्ति पदाधि ाकारी के कार्यालय गए लेकिन आपूर्ति पदाधि ाकारी से मुलाकात होने के बाद बीडीओ के कार्यालय के समक्ष लाभुकों ने सड़े हुए अनाज के साथ प्रदर्शन किया। बता दें कि कोरोना बंदी की वजह से सरकार ने अप्रैल से लेकर जून माह तक 5 किलो चावल के अतिरिक्त भुगतान का आदेश जारी कर रखा है। 5 किलो चावल के लिए किसी प्रकार का शुल्क लाभुकों से नहीं लेना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करुणानिधि में विशेष तौर पर अगले 3 महीने के लिए 5 किलो चावल अतिरिक्त देने की घोषणा की थी।

बता दें कि मुजफ्फरपुर जिले में बड़े पैमाने पर यह शिकायत मिल रही है कि जिन लोगों के पास पहले से राशन कार्ड है, उन्हें जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों द्वारा राशन नहीं दिया जा रहा है। मुसहरी प्रखंड कार्यालय में विरोध करने आए लोगों में कई ऐसे लोग थे, जिनके पास पहले से राशन कार्ड हैं लेकिन डीलरों ने उन्हें किसी प्रकार का राशन पिछले कई माह से नहीं दिया है।

नीतीश सरकार ने ऐसे सभी लोगों को कोरोना संकट में राशन मुहैया कराने का आदेश दिया है, जिनके पास पहले से राशन कार्ड नहीं है। साथ ही मुजफ्फरपुर में 6 लाख 37 हजार राशन कार्ड धारियों के खाते में एक–एक हजार रुपए दिए गए हैं, लेकिन अभी भी 43,000 से अधिक लाभुक हैं।

ग्राम पंचायतों में चलाया सफाई अभियान

मसौली बाराबंकी । पवित्र माह रमजान के दौरान साफ सफाई को लेकर प्रभारी सहायक विकास अधिकारी .ष्ण कुमार सिंह के निर्देश पर शनिवार को क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में सफाई अभियान चलाया गया। सफाई कर्मच. ारी संघ के स्थानीय अध्यक्ष सचिन वाल्मीकि ने बताया कि माहे रमजान के दौरान लोगो को किसी तरह की परेशानी न हो जिसके लिए प्रभारी एडीओ पँचायत कृष्ण कुमार सिंह के निर्देश पर ब्लाक की ५६ ग्राम पंचायतों में एक साथ सफाई अभियान चलाया गया है। नालियों की सफाई के साथ साथ सार्वजनिक स्थलों सफाई की गयी। कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए सभी सफाई कर्मियों को अपलोड करने के भी निर्देश दिये थे।और स्वयं अभियान का जायजा लिया। ब्लाक अध्यक्ष सचिन वाल्मीकि ने बताया कि जिन ग्राम पंचायतों में सफाई बाकी रह गयी

यात्रा की जानकारी छिपाने वालों की जानकारी देने पर 11000 इनाम देने की घोषणा

बलिया । भाजपा सांसद रवींद्र कुशवाहा ने घोषणा की है कि वह विदेश या देश के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करने की जानकारी छिपाने और कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी जांच नहीं कराने वाले लोगों की जानकारी देने वाले को 11 हजार रूपए इनाम देंगे। कुशवाहा ने एक विज्ञप्ति में कहा कि दिल्ली में हुए तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल होने या देश–विदेश में यात्रा की जानकारी छिपाने तथा जांच नहीं कराने वालों के बारे में सूचित करने वाले को 11 हजार रूपए का इनाम दिया जाएगा। भाजपा के सलेमपुर से सांसद कुशवाहा ने कहा कोरोना वायरस वैश्विक महामारी को काबू करने के लिए पूरे देश में लागू बंद के बीच कई लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने तबलीगी जमात के कार्यक्रम में भाग लिया था और उन्होंने जांच नहीं कराई है।

उन्होंने कहा लोगों को अपनी यात्रा संबंधी जानकारी प्रशासन को मुहैया करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्रा की जानकारी छुपाने वाले या जांच नहीं कराने वाले लोगों के संबंध में जानकारी देने वाले व्यक्ति को वह 11 हजार रूपए का इनाम देंगे। कुशवाहा ने आश्वासन दिया कि सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। भाजपा सांसद ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर पोस्टर भी जारी किया है।

हावी हुआ योगी का मास्टर प्लान, अन्य राज्यों के लिए नजीर बने सीएम योगी के फैसले

लखनऊ । एक ओर जहां देश में कोरोना वायरस का खतरा बढ़ता जा रहा है, वहीं उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा लिए गए कुछ फैसले अन्य राज्यों के लिए न केवल नजीर बन गए हैं। योगी के फैसलों ने उन पर दबाव बनाया है कि वे भी ऐसे ही फैसले करें। यही वजह है कि जब योगी ने अपने छात्रों को कोटा से निकालने की योजना बनाई तो पांच राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से अपने छात्रों को निकालने की बात करनी पड़ी। अब जबकि उन्होंने दूसरे राज्यों में फंसे राज्य के श्रमिकों को वापस लाने की पहल की, तो कई राज्यों ने भी उनका अनुकरण करते हुए अपने श्रमिकों को निकालने की तैयारी शुरु कर दी है। कोरोना से लड़ाई में सीएम योगी ने जो मॉडल तय किया है, उसमें कई ऐसे फैसले शामिल हैं, जिनके बारे में अन्य राज्यों में सोचा भी नहीं जा रहा था।

पूरे देश में सबसे ज्यादा आबादी होने के बावजूद जिस तरह से यूपी मॉडल के तहत कोरोना को कंट्रोल करने के साथ–साथ जिस तरह से मजदूरों–छात्रों–बुजुर्गों समेत आम जनता का ख्याल रखा जा रहा है, उसकी पूरे देश में सराहना की जा रही है। उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है। यह भी सच है कि यूपी और बिहार के लोगों ने ही महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली समेत अनेक राज्यों को आर्थिक संभावनाओं से संपन्न राज्य बनाया है।

इसके अलावा, राजस्थान के कोटा में जाकर इंजिनियरिंग या मेडिकल की तैयारी करने वाले सबसे ज्यादा छात्र भी इन्हीं राज्यों के होते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान ही ऐसे राज्य हैं, जहां के लोग देश के अलग–अलग हिस्से में फैले हुए हैं। वहीं महाराष्ट्र, खासकर मुंबई के बारे में कहा जाता है कि यह शहर कभी नहीं थमता और शायद इसी सिद्धांत पर चलते रहने के कारण वहां लॉकडाउन की गंभीरता को नहीं समझा गया और राज्य में कोरोना पॉजिटिव केस लगातार बढ़ते गए।

सीएम योगी ने जिस तरह से उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए बड़े फैसले लिए उनसे इन राज्यों की सरकारों के कोरोना से लड़ाई के मॉडल और सरकारों की गंभीरता पर सवाल खड़ा हो गया है। हाल ही में सीएम योगी ने बेहद गुपचुप तरीके से राजस्थान के कोटा में फंसे यूपी के छात्रों को प्रदेश में वापस लाने की योजना बनाई। मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि इन छात्रों को वापस लाने के लिए जो प्लान तैयार किया गया था, उसमें कई वरिष्ठ अधिकारियों को उन छात्रों की स्क्रीनिंग से लेकर सूबे में सुरक्षित तरीके से वापस लाने की जिम्मेदारी दी गई थी।

सीएम योगी ने यह निर्देश भी दिए थे कि इस प्लान को लेकर किसी भी तरह की डिटेल्स लीक न की जाएं। जब यह खबर लीक हुई तो बिहार के सीएम नीतीश ने रा. जस्थान सरकार से यूपी की बसों को राज्य में न जाने देने की अपील की थी। वहीं अब राजस्थान में फंसे बिहार के स्टूडेंट्स भी खुद को वापस बुलाने की मांग कर रहे हैं। कई छात्र तो इसे लेकर अनशन पर भी बैठ गए हैं। छात्रों को वापस लाने के बाद अब सीएम योगी ने दूसरे राज्यों में फंसे उत्तर प्रदेश के जिन मजदूरों ने क्वारंटीन की अवधि पूरी कर ली है, उन्हें वापस लाने की घोषणा कर दी है। योगी सरकार पर विपक्ष लगातार इस बात को लेकर हमलावर हो रहा था कि यूपी सरकार मजदूरों का ख्याल नहीं कर रही है, लेकिन इस फैसले से सीएम योगी ने उनका मुंह बंद कर दिया। देश में कोरोना ने अपने पैर पसारने शुरू ही किए थे कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस खतरे को भांप लिया औ- बेहद गंभीरता से उसपर काम करना शुरू किया।

सीएम योगी ने कई विभागों को जोड़कर 11 कमिटियां बनाई हैं। इन कमिटियों में सरकार के करीब दो दर्जन वरिष्ठ अधिकारी शामिल किए हैं। आम लोगों से जुड़ी हर जरूरत का ख्याल रखने के लिए बनाई गई इन कमिटियों के साथ सीएम योगी लगातार मीटिंग करते हैं और उनसे अपडेट लेते हैं। अगर इसी तर्ज पर अन्य राज्यों ने योजना बनाई होती तो उनके यहां समस्या इतनी बड़ी न बनती।

छपरा में 22 लोगों को भेजा गया आइसोलेशन वार्ड

छपरा । बिहार के छपरा में एक कोरोना पॉजिटिव के मिलते ही प्रशासन ने कार्रवाई शुरु कर दी। प्रशासन ने इस कोरोना संक्रमित मरीज के संपर्क में आने वाले 22 लोगों को आइसोलेशन वार्ड में भेज दिया गया है। साथ ही इन सभी लोगों का सैंपल लेकर पटना भेजा गया है, जिससे इनमें कोरोना संक्रमण की पुष्टि हो सके। छपरा के भागवतपुर गांव के एक 68 वर्षीय व्यक्ति में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। दरअसल, वह लीवर में गड़बड़ी की वजह से पटना एम्स में एक हफ्ते पहले इलाज कराने गया था। रिपोर्ट आने के बाद अमनौर सहित आस–पास के गांव में हड़कंप मचा हुआ है। बसंतपुर, गुणा छपरा, शाहपुर, धोबाही, पशुरामपुर, मधुवनी और मकसुदपुर आदि गांवों के लोग सूचना पाते ही दहशत में है। स्थानीय लोगों की मानें तो कोरोना पॉजिटिव मरीज के साथ उनके घर के अन्य सदस्य भी पटना गए थे। इस दौरान बसंतपुर बाजार से सब्जी और अन्य समानों की खरीदारी भी करने की बात सामने आ रही है। सूचना पाकर पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी कुमार गौरव के साथ मेडिकल टीम पहुंच गई है। वहीं अनुमंडल और जिले से भी वरिष्ठ अधिकारी पहुंच रहे हैं। तीन किलोमीटर क्षेत्र को कन्टेनमेंट जोन घोषित किया गया है। जहां से किसी को आने–जाने की पाबंदी रहेगी। डीएम सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि कोरोना को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार है और तमाम आवश्यक सुविधाएं मौजूद है। पहले भी एक संक्रमित मरीज छपरा में ही इलाज के दौरान ठीक हो चुका है लिहाजा लोगों को दहशत में रहने की कोई जरूरत नहीं है लेकिन लोगों को सोशल डिस्टेंस और लॉकडाउन के पालन करने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पीड़ित के परिवार को क्वारंटीन कर दिया है साथ ही उन्हें छपरा सदर अस्पताल लाकर आइसोलेशन वार्ड में

बिहार में 5 दिन में बढ़े ढाई गुना से अधिक मरीज

पटना । बिहार में पिछले पांच दिनों में ही ढाई गुना से अधिक कोरोना मरीज बढ़ गए हैं। यहां पांच दिन पहले 78 मामलों की पुष्टि हुई थी वहीं अब ये बढ़कर 225 हो गई है। बता दें कि

शुक्रवार को एक दिन में कोरोना के सर्वाधिक 53 संक्रमित पाए गए थे। यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इनमें दो पटना के हैं जिनमें डाकबंगला स्थित बैंक का एक कर्मी शामिल है। सर्वाधिक 31 लोग जमालपुर (मुंगेर), दो बिहारशरीफ (नाल. दा) एक अस्थावां (नालंदा), 12 बक्सर और एक बांका के बिशुनपुर, दो औरंगाबाद से जबकि मधेपुरा और सारण से एक–एक मामले सामने आए थे। साथ ही शुक्रवार को मधेपुरा और औरंगाबाद से पहली बार संक्रमितों के मामले सामने आए। यह सभी लोग नालंदा की जमात से लौटे व्यक्ति की चेन में शामिल हैं। स्वास्थ्य के प्रधान सचिव संजय कुमार ने बताया कि जमालपुर से मिले संक्रमितों में 14 पुरुष और 17 महिलाएं हैं। शुक्रवार को मिले 31 संक्रमितों को मिलाकर कुल संक्रमितों की संख्या 62 पर पहुंच गई है। कोरोना से अब तक हुए संक्रमितों की जिलावार स्थिति पर नजर डालें तो मुंगेर 62, नालंदा 34, सीवान 30, पटना 26, बक्सर 22, बेगूसराय 9, कैमूर 8, रोहतास 7, गया 5, भागलपुर 5, गोपालगंज 3, नवादा 3, सारण 2, बांका 2, औरंगाबाद 2, लखीसराय 1, वैशाली 1, भोजपुर 1, पू. चंपारण 1 और मधेपुरा में 1 मामले सामने आए हैं।

अब घर बैठे ही देख सकेंगे पटना का चिड़ियाघर

पटना । कोरोना वायरस को लेकर देशभर में लॉकडाउन को करीब एक महीने से ज्यादा हो चुका है। ऐसे में लोग अपने घरों में बंद हैं और कहीं भी आ–जा नहीं रहे हैं। मगर, ऐसी स्थिति में अब पटना चिड़िया घर बैठे देखा जा सकता है। दरअसल, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने अब पटना चिड़ियाघर का वर्चु. अल टूर कराने का फैसला लिया है। इसमें आप फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यू–ट्यूब और अन्य सोशल प्लेटफार्म के जरिए पटना चिड़ियाघर की सैर कर सकेंगे। पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव ने बताया कि वन्य जीव प्रेमियों की रुचि को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। इसमें घर बैठे लोग पटना चिड़ियाघर के तमाम वन्य प्राणियों को देख सक. ेंगे। सोशल प्लेटफॉर्म के जरिए घर बैठे ही लोग जान पाएंगे कि लॉक. डाउन के समय जू के वन्यप्राण ी क्या कर रहे हैं। हमेशा आने वाले लोगों की भीड़ के बजाय सन्नाटा देख जू के वन्य प्राणी कैसे वक्त काट रहे हैं। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि, लॉकडाउन में सोशल प्लेटफार्म के जरिए चिड़ियाघर का वर्चुअल टूर लोग पसंद करेंगे। ये पहल बच्चों के लिए भी काफी फायदेमंद होगी क्योंकि गर्मी की छुट्टियों के दौरान बड़ी संख्या में बच्चे चिड़ियाघर घूमने के लिए आते थे। लेकिन, इस बार लॉकडाउन के चलते घर से बाहर नहीं निकल सकेंगे।

मऊ में एसडीएम पर दुर्व्यवहार का आरोप लगा, डियूटी से भागे स्वास्थ्यकर्मी हुए वापस, तीन सदस्यीय टीम करेगी जांच

मऊ(। एसडीएम पर दुर्व्यवहार का आरोप लगा कर शुक्रवार को डियूटी से बाहर रहे स्वास्थ्यकर्मी शनिवार को विरोध नही करने के फैसले के साथ शनिवार को ''डियूटी'' पर वापस आ गए। सीएमओं ने स्वास्थ्यकर्मियों द्व ारा कार्य नही किए जाने के सवाल पर कहा कि शुक्रवार को कार्य रोके गए थे, सर्वे किए गए इलाके में आज से पुनः सर्वे कर मरीजों को चिन्हित किया जाएगा। डीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले मे जांच के आदेश दिए है।

मुख्य चिकित्सा अधिक्षक सतीश चद्र सिंह ने शनिवार को ईएमएस से बातचीत में कहा कि सभी स्वास्थ्य कर्मचारी विकास खंड का. पागंज इलाके में चिन्हित ''हाटस्पाट'' में कार्य कर रहे है। शुक्रवार को स्वास्थ्य कर्मचारियों के द्वारा कार्य नही किए जाने के सवाल पर सीएमओं ने कहा कि कल कार्य रोका गया था। स्वास्थ्य कर्मियो के द्वारा शुक्रवार को नही किए गए कार्य को एसडीएम अतुल कुमार वत्स पर स्वास्थ्यकर्मचारियों के द्वारा लगाए गए आरोप का कोई वास्ता नही है। सभी कर्मचारी अपनी नौकरी करेंगे और कर रहे है। उधर एसडीएम अतुल कुमार वत्स ने स्वास्थ्यकर्मचारियों के द्वारा डियूटी पर वापस आने का स्वागत किया। उन्होने कहा कि जनहित में हमे कार्यप्रणाली में सुधार की जरूरत है। उधर जिलाधिकारी ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने मामले में तीन सदस्यी टीम गठित कर जांच के आदेश दे दिए है।

बताते चले कि शुक्रवार को हाटस्पाट इलाके के एक किलोमीटर की एरिया में स्वास्थ्य कर्मचारियों के द्वारा डोर–टू– डोर सर्वे का किया गया था, सर्वे रिपोर्ट को सही नही होने की एसडीएम ने शीर्ष अधिकारियों को रिपोर्ट की थी। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के लोगो ने शुक्रवार को ''एसडीएम'' पर ''अभद्रता'' का आरोप लगा कर डियूटी करने से इनकार कर दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हजारों लोग सड़कों पर उतरे, भीड पर काबू पाने में प्रशासन विफल

सूरत शहर में फिर एक बार हजारों की भीड़ सडकों पर उमड़ पड़ी । ओलपाड में भोजन लेने के लिए रोड पर लोग उतर आए । ओलपाड में सोशियल डिस्टन्स और लोक. डाउन का सरेआम उल्लंघन देखने को मिला

सूरत में लगातार परप्रांतिय श्रमिकों की रोड पर उतर आने की घटनाएं सामने आ रही है । प्रशासन लोकडाउन का पालन करने में विफल हो रहा है। कल अनाज लेने के लिए लोगों की भीड़ उमड पड़ी थीद्य आज फिर एक बार ओलपाड में भोजन के लिए लोगों की भीड़ रास्ते पर आ गई ।

सुरत के ओलपाड में भोजन वितरण किया जा रहा था। भोजन लेने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी। रोड पर जैसे मेला लगा हो ऐसे दृश्य देखने को मिले । प्रशासन द्वारा सोशल डिस्टन्स का पालन के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया था। समग्र घटना के बाद ओलपाड पुलिस ने घटना. स्थल पहुंचकर परिस्थिति पर काबू किया।

भवनाथ में नरभक्षी तेंदुए के हमले में एक साधु की मौत

जूनागढ़ । जूनागढ़ के भवनाथ में नरभक्षी तेंदुए के हमले में एक साधु की मौत हो गईद्य पिछले एक सप्ताह में तेंदुए के हमले में दो साधुओं की मौत हो चुकी हैद्य घटना के बाद हरकत में आए वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने की दिशा में कवायद तेज की है।

जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ के भवनाथ की तलहटी स्थित एक आश्रम में ओमकारगिरी नामक एक साधु निद्राधीन थेद्य उस वक्त आश्रम में घुसा नरभक्षी तेंदुआ निद्राधीन साधु को जंगल में करीब 200 दूर घसीट ले गया और वहां साधु को फाड़ खाया।

इस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई है। वन विभाग को जंगल से साधु क्षत विक्षत शव बरामद हुआ है।

एक सप्ताह के भीतर तेंदुए द्वारा हमले की यह दूसरी घटना है। इससे पहले भी तेंदुए ने एक साधु को फाड़ खाया था।

एक सप्ताह में तेंदुए द्वारा दो साधुओं को फाड़ खाने की घटना से दहशत के साथ ही लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

लोगों की मांग है कि ऐसी घटना को रोकनेके लिए वन विभाग जल्द से जल्द तेंदुए को पिंजरे में कैद करे ।

घटना के बाद वन विभाग हरकत में आ गया है और तेंदुए को पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

पेटीएम केवायसी के नाम पर अज्ञात शख्स ने एक युवक को लगाया 3.91 लाख चूना

सूरत। इच्छापोर के भाठा गांव के ग्रीन सिटी में रहनेवाले 40 वर्षीय युवक के ऑनलाइन फ्रॉड की घटना सामने आई हैं जिसमें एक अज्ञात शख्स ने पे टीएम केवायसी विभाग का कर्मचारी बताकर युवक को रु. 3.91 लाख का चूना लगा दिया । युवक की शिकायत के आधार पर इच्छापोर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है ।

जानकारी के मुताबिक सूरत की इच्छापोर तहसील के भाठा गांव के ग्रीन सिटी में रहनेवाला 40 वर्षीय केतन बावनजी डढानिया एक डायमंड कंपनी में नौकरी करता है। कुछ दिन पहले केतन के मोबाइल पर पे टीएम केवायसी अपडेट करने का मैसेज आया था और उसके बाद एक अज्ञात शख्स ने फोन किया और पे टीएम केवायसी विभाग के कर्मचारी दीपक अग्रवाल के तौर पर अपनी पहचान दीद्य बाद में शख्स ने केवायसी अपडेट करने के लिए केतन के मोबाइल पर क्यूएस नामक एक लिंक भेजी । केतन द्वारा इस लिंक को डाउनलोड करते ही अज्ञात शख्स ने केतन का मोबाइल हेक कर लिया और उसके बैंक खाते से रु. 96000 और क्रेडिट कार्डसे रु. 295998 समेत कुल रु. 391998 अपने खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए ।

बैंक खाते और क्रे. डिट कार्ड से रु. 3.91 लाख निकाले जाने का मैसेज मिलते ही केतन के होश उड़ गए । पे टीएम केवायसी अपडेट करने के नाम पर ऑनलाइन फ्रॉड का पता चलते ही केतन ने तुरंत इच्छापोर पुलिस थाने में अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया । जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है ।

अगले दो महीने तक जारी रहेगी कोरोना के खिलाफ लड़ाई : स्वास्थ्य सचिव

अहमदाबाद । गुजरात के स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने आज कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग अगले दो महीने तक जारी रहेगी । इस वैश्विक महामारी से मुक्त होने में वक्त लगेगा और सरकार कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैद्य अच्छी बात यह है कि गुजरात के तीन जिलों में कोरोना की पैठ नहीं हुई । उन्होंने कहा कि राज्य के 30 जिलों में कोरोना पैर पसार चुका है और तीन जिले अब तक उससे अछूते हैं । लॉकडाउन और कर्फ्यू के चलते कोरोना पर काबू पाने में सफलता मिली है ।

हांलाकि कोरोना से मुक्ति के लिए कुछ वक्त लगेगा और धीरे धीरे उस पर नियंत्रण पाने में सफलता मिलेगीद्य स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि लोग अपने घरों में रहेंगे तब ही कोरोना से बच सकेंगें सरकार कोरोना को गति कम करने में लगातार प्रयासरत है । लोगों को कोरोना से डरने की नहीं बल्कि जागरूक और सतर्क रहने की जरूरत है और इसके लिए सभी को मास्क लगाना अनिवार्य है । गंभीर बीमारीग्रस्त लोगों को विशेष ऐहतियात बरतने की जरूरत है । उन्होंने कहा कि लोग अफवाहों से बचें और सरकार के दिशा निर्देशों का पालन कर का. `रोना करेंगे तो जल्द ही कोरोना को परास्त किया जा सकेगाद्य उन्होंने कहा कि अब कोरोना वायरस के मरीजों में उसके लक्षण नहीं दिख रहे । शहर में 80 फीसदी मामलों में कोरोना के कोई लक्षण नहीं मिले । इस रोग से हमेशा मुक्त रहना संभव नहीं है ।

ताकि गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को खास ध्यान रखना जरूरी हैद्य खासकर वृद्ध, गर्भवती महिला और बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिएद्य गौरतलब है कि गुजरात में शुक्रवार को कोरोना के नए 191 केस सामने आए थेद्य जिसमें 169 मामले केवल अहमदाबाद में दर्ज हुए थे । अहमदाबाद में 169 केस शहर के दरियापुर, इसनपुर, गोमतीपुर, वस्त्राल, नारोल, निकोल, मणीनगर, बापूनगर, कालूपुर, खाडिया, चांदलोडिया, वेजलपुर, घाटलोडिया, थलतेज, राणीप और दालीलीमडा क्षेत्र से सामने आएं ।

गुजरात में 256 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 3000 के पार
अहमदाबाद में कोरोना मरीजों की संख्या पहुंची 2003 पर, सूरत में 500 के करीब

अहमदाबाद पिछले 24 घंटों में गुजरात में कोरोना के 256 नए केस सामने आए है वहीं 6 मरीजों की मौत हो गई और 17 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है 256 साथ राज्य में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 3071 पर पहुंच गया है 256 नए केसों में अहमदाबाद के 182 और सूरत के 34 मामले षामिल हैं

गुजरात के स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि पिछले 24 घंटों में राज्य के 13 जिलों में कोरोना पॉजिटिव के 256 केस दर्ज हुए हैं जिसमें अहमदाबाद में 182, आणंद में 5, बनासकांठा में 11, भावनगर में 5, छोटाउदेपुर में 2, गांधीनगर में 4, महीसागर में 1, नवसारी में 1, पंचमहल में 2, पाटन में 1, सूरत में 34, सुरेन्द्रनगर में 1 और वडोदरा में कोरोना के 7 केस दर्ज हुए हैंद्य पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में दो पुरुश और एक महिला समेत तीन मरीजों की मौत हो गई जबकि आणंद और सूरत में दो पुरुश मरीज और वडोदरा में एक महिला मरीज की कोरोना से मौत हो गई। वहीं 17 लोगों के स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया हैद्य जिसमें अहमदाबाद में 2, आणंद में 1, भरुच में 7, राजकोट में 2, गांध ीनगर में 1, वडोदरा में 3 और सूरत में एक व्यक्ति को अस्पताल से छुट्टी दी गई हैद्य उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 48315 टेस्ट किए गए हैंद्य राज्य में कुल 3071 पॉजिटिव केसों में 2626 मरीजों की हालत स्थिर है और 30 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं । जबकि 282 लोगों को स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा चुका है और कोरोना से राज्य में अब तक 133 लोगों की मौत हो चुकी है । राज्य में 36730 लोग कोरन्टाइन हैंद्य जिसमें 32119 लोग होम कारन्टाइन, 3565 सरकारी का. `रन्टाइन और 246 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैंद्य जिलेवार आंकड़े देते हुए जयंति रवि ने बताया कि अहमदाबाद में 2003, वडोदरा में 230, सूरत में 496, राजकोट में 41, भावनगर में 40, आणंद में 41, भरुच में 29, गांधीनगर में 23, पाटन में 16, पंचमहल में 17, बनासकांठा में 27, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 13, कच्छ में 6, मेहसाणा में 7, बोटाद में 12, पोरबंदर में 3, दाहोद में 4, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 5, जामनगर में 1, मोरबी में 1, साबरकांठा में 3, अरवल्ली 18, महीसागर में 10, तापी में 1, वलसाड में 5, नवसारी में 2, डांग में 1 और सुरेन्द्रनगर में 1 समेत राज्यभर में अब तक 3071 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैंद्य जिसमें 133 मरीजों की मौत हो चुकी है और 282 लोगों के स्वस्थ हुए हैं। अहमदाबाद में सबसे अधिक 83 लोगों की मौत हुई है और 115 लोग ठीक हो चुके हैं ।

केन्दीय टीम सुरत की कोरोना वायरल की वर्तमान परिस्थितियों का जायंजा लिया

भारत सरकार की पांच सभ्यों की एक–एक टीम ने सुरत और अहमदाबाद की मुलाकात कर वर्तमान परिस्थितियों का जायंजा लिया और सुरत मनपा आयुक्त और सुरत पुलिस कमिश्नर ने सभी परिस्थितियों की जानकारी दिया.

पश्चिम रेलवे द्वारा पालनपुर और संकरेल के बीच एक और पार्सल विशेष ट्रेन

अहमदाबाद । घातक कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए घोषित लॉकडाउन के मद्देनज़र, पश्चिम रेलवे के विभिन्न विभागों के कर्मचारी अपनी अनुकरणीय सेवाओं के माध्यम से धैर्य और प्रतिबद्धता का शानदार प्रदर्शन सुनिश्चित कर रहे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो रहा है, क्योंकि पश्चिम रेलवे अपने ग्राहकों के लिए हमेशा पूरी तरह से समर्पित एवं प्रतिबद्ध रहती है और इसी उद्देश्य से पश्चिम रेलवे द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करना निरंतर जारी रखा जा रहा है। एक अनूठी पहल के रूप में पश्चिम रेलवे द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों के लिए टाइम टेबल्ड पार्सल विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में एक और नई टाइम टेबल्ड पार्सल विशेष ट्रेन पालनपुर और संकरेल गुड्स टर्मिनल के बीच चलाने की योजना बनाई गई है, जबकि पहले से चल रही पालनपुर दृ सालचपरा पार्सल स्पेशल ट्रेन की परिचालन अवधि दो और सेवाओं के साथ विस्तारित की गई है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविन्द्र भाकर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आवश्यक वस्तुओं के सुचारू परिवहन के लिए दो सेवाओं वाली एक विशेष पार्सल ट्रेन पालनपुर और संकरेल के बीच चलेगी तथा पालनपुर–सालचपरा पार्सल स्पेशल ट्रेन की दो सेवाएँ बढ़ाई जा रही हैं। जिसके मुताबिक ट्रेन संख्या 00945 पालनपुर दृ संकरेल पार्सल स्पेशल 28 अप्रैल, 2020 को पालनपुर से 23.00 बजे प्रस्थान करेगी और 30 अप्रैल, 2020 को 08.35 बजे संकरेल पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 00946 संकरेल दृ पालनपुर पार्सल विशेष रेलगाड़ी संकरेल से 2 मई, 2020 को 00.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.45 बजे पालनपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आबू रोड, मारवाड़ जंक्शन, अजमेर जंक्शन, फुलेरा जंक्शन, जयपुर, यमुना ब्रिज, प्रयागराज जंक्शन, दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, गया, गोमो जंक्शन और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन संख्या 00909 पालनपुर दृ सालचपरा पार्सल स्पेशल ट्रेन 26 अप्रैल, 2020 को 23.30 बजे पालनपुर से चलेगी और 28 अप्रैल, 2020 को 23.55 बजे सालचपरा पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन 00910 सालचपरा दृ पालनपुर पार्सल स्पेशल ट्रेन 29 अप्रैल, 2020 को 15.00 बजे सालचपरा से रवाना होगी और 1 मई, 2020 को 16.50 बजे पालनपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन मारवाड़, अजमेर, जयपुर, भरतपुर जंक्शन, अछनेरा जंक्शन, आगरा किला, टूंडला, प्रयागराज जंक्शन, पं.दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, सोनपुर, कटिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू बोंगाईगांव, चांगसारी, न्यू गुवाहाटी, लुमडिंग और बदरपुर स्टैशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी।

भाकर ने बताया कि 23 मार्च से 23 अप्रैल, 2020 तक, पश्चिम रेलवे द्वारा पंद्रह दूध विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई गईं, जिनमें 10000 टन से अधिक के भार और वैगनों के 100: उपयोग से 1.84 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इसी तरह, 78 कोविद –19 विशेष पार्सल ट्रेनें भी आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए इस अवधि के दौरान चलाई गईं, जिनसे अर्जित राजस्व 2.5 करोड़ करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा, 1864 टन के 4 इंडेंटेड रेक भी 100: उपयोग के साथ चलाए गए, जिनसे 77 लाख रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। 23 मार्च से 23 अप्रैल, 2020 के दौरान, लगभग 670 टन वजन वाले मेडिकल सामान, जैसे कि मास्क, सैनिटाइज़र, पीपीई, सर्जिकल सामान आदि के साथ दवाओं के परिवहन से 23 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित की गई। पश्चिम रेलवे की सभी सम्बंधित टीमों द्वारा निरंतर प्रयासों के कारण ऐसी उल्लेखनीय लोडिंग संभव हो पाई है।

भाकर ने कहा कि 24 अप्रैल, 2020 को देश के विभिन्न भागों के लिए पश्चिम रेलवे से छः पार्सल विशेष ट्रेनें छोड़ी गईं, जिनमें बांद्रा टर्मिनस दृ लुधियाना, बांद्रा टर्मिनस दृ ओखा, भुज दृ दादर, ओखा दृ बांद्रा टर्मिनस, पोरबंदर दृ शालीमार और कांकरिया दृ कटक पार्सल विशेष ट्रेनें शामिल हैं। एक मिल्क स्पेशल रेक भी पालनपुर से हिंद टर्मिनल के लिए रवाना हुई। उन्होंने बताया कि 22 मार्च से 23 अप्रैल, 2020 तक लॉकडाउन की अवधि के दौरान, पश्चिम रेलवे द्वारा मालगाड़ियों के कुल 2122 रेकों का उपयोग 4.59 मिलियन टन आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए किया गया। 4444 मालगाड़ियों को अन्य रेलवे के साथ इंटरचेंज किया गया, जिनमें 2233 ट्रेनें सौंपी गईं और 2211 ट्रेनों को अलग–अलग इंटरचेंज पॉइंट पर ले जाया गया। पार्सल वैन / रेलवे दूध टैंकरों (आरएमटी) के 97 मिलेनियम पार्सल रेकों को आवश्यक वस्तुओं जैसे दूध पाउडर, तरल दूध और अन्य सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की मांग के अनुसार आपूर्ति करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा गया।

23 अप्रैल, 2020 तक पश्चिम रेलवे पर कुल नुकसान 545.67 करोड़ रुपये (उपनगरीय + गैर–उपनगरीय सहित) होने का अनुमान लगाया गया है। इसके बावजूद, पश्चिम रेलवे ने अब तक टिकटों के निरस्तीकरण के फलस्वरूप 204.27 करोड़ रु. के रिफंड का भुगतान सुनिश्चित किया है। उल्लेखनीय है कि इस धनवापसी राशि में अकेले मुंबई डिवीजन ने ही 99. 58 करोड़ रु. की रिफंड अदायगी सुनिश्चित की है। अब तक, 32.29 लाख यात्रियों ने पूरी पश्चिम रेलवे पर अपने टिकट रद्द किये हैं और तदनुसार उनकी रिफंड राशि प्राप्त की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)